GIRLS' HIGH SCHOOL & COLLEGE, PARAYAGRAj

WORKSHEET NO -3

SESSION – 2020 – 20021

CLASS – 8th A,B,C,D & E

SUBJECT - SANSKRIT

नोट – अभिभावकों से निवेदन है कि निम्नलिखित संस्कृत-गद्यांश और उसके हिन्दी-अनुवाद को ध्यानपूर्वक पढ़कर उनपर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखने में छात्राओं की सहायता करें ।

पाठ – वृक्षस्य आत्मकथा

प्राणिनः मम छायाम् आश्रयन्ति । मम फलानि तु अतिमधुराणि स्वादूनि च। तस्यानेन कथनेन रमेशः अचिन्तयत् –

श्लोक – "पुष्पेषु भृंगा गुञ्जन्ति नित्यं खादन्ति शाखासु खगाः फलानि।

पिकाश्च नित्यं सुभगा नदन्ति छायासु पान्था अपि आश्रयन्ति ।।"

अनुवाद -प्राणी मेरी छाया का आश्रय लेते हैं। मेरे फल तो बहुत मीठे और

स्वादिष्ट होते हैं। उसके इस कथन से रमेश ने सोचा –

श्लोक – अनुवाद – "फूलों पर भौंरे गुंजार करते हैं ; डालियों पर पक्षीगण फलों को खाते हैं । कोयल हमेशा मधुर आवाज़ करती हैं और छाया में पथिक भी आश्रय लेते हैं । "

शब्दार्थ :- **भृंगा** – भौंरे **पिकः** – कोयल

सुभगा – सुन्दर **अतिमधुराणि** – बहुत मीठे

पान्था – पथिक **नित्यं** – हमेशा

पुष्पेषु – फूलों पर **फलानि** – फल

प्रश्न 1- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

क – प्राणिनः कस्य छायां आश्रयन्ति ?

ख – भृंगा कुत्र गुञ्जन्ति ?

प्रश्न 2- निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

क – पिकाश्च नित्यं ..... नदन्ति ।

ख - मम फलानि तु .....स्वादूनि च ।

ग – छायासु ..... आश्रयन्ति ।

प्रश्न 3- निम्नलिखित शब्दों के सन्धि – विच्छेद कीजिए :-

क – स्पृष्टोऽहम्

ख – तस्यानेन

ग – पिकाश्च।

..... **END .....**